सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 7 • अंकः 322 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 29 दिसम्बर, 2021

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

दलितों की जमीन बेचकर... 8
मिशन यूपी को भाजपा ने झोंकी... 3
प्रदेश में बारिश से लुढ़का पारा... 7

स्मृति ईरानी की अमेठी में दलित लड़की की बेरहमी से पिटाई पर उबाल, विपक्ष ने सरकार को घेरा

» आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर कांग्रेस करेगी आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अमेठी के फुलवारी गांव में दबंगों ने दलित लड़की को पीटा

» विपक्ष बोला, भाजपा राज में दलितों के उत्पीड़न में यूपी बना नंबर वन

लखनऊ। भाजपा सांसद स्मृति ईरानी की अमेठी में एक 16 साल की दलित लड़की की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आने पर प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्ष ने इस मामले में प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर सरकार को आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं विपक्षी दल सपा, आरएलडी और आप ने कहा है कि भाजपा के शासन में दलित उत्पीड़न में यूपी नंबर वन बन चुका है। यह भाजपा के चाल-चरित्र और चेहरे को उजागर करता है। जनता भी सोशल मीडिया पर आक्रोश जता रही है।

अमेठी में एक दलित लड़की की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। वीडियो में लड़की को दो लड़के डंडों से पीटते और जमीन पर लिटाकर पैरों से कुचलते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पास खड़ी महिलाएं युवकों को सपोर्ट करती दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद विपक्ष आगबबूला है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इस वीडियो को टैग करते हुए सरकार पर निशाना साधा है। साथ ही आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। वहीं अन्य विपक्षी दलों ने इस मामले की निंदा करते हुए कहा है कि भाजपा शासन में दलितों, पिछड़ों और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। ये घटनाएं दलितों के हितों की बात करने वाली भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर करते हैं। विपक्ष ने यह भी कहा कि भाजपा सांसद स्मृति ईरानी भी अब मौन है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और दबंग और बदमाश बेलगाम हो चुके हैं। मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के फुलवारी गांव का है। बताया जा रहा है कि यहां के रहने वाले सूरज सोनी के घर से कुछ दिनों पहले दो मोबाइल फोन चोरी हो गए थे। कहा जा रहा है कि लड़की के साथ मारपीट इसी घटना को लेकर की गई। मामले के खुलासे के बाद पुलिस के हाथ-पांव फूल गये और पुलिस ने पीड़िता के पिता से संपर्क करके तहरीर ली और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हालांकि अभी आरोपियों को पुलिस पकड़ नहीं सकी है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर
सांध्य दैनिक 4PM

"अमेठी में दलित बच्ची को निर्ममता से पीटने वाली ये घटना निंदनीय है। योगी आदित्यनाथ जी आपके राज में हर रोज दलितों के खिलाफ औसतन 34 अपराध की घटनाएं होती हैं और 135 महिलाओं के खिलाफ, फिर भी आपकी कानून व्यवस्था सो रही है। अगर 24 घंटे के अंदर इस अमानवीय कृत्य को करने वाले अपराधियों को नहीं पकड़ा गया तो कांग्रेस पार्टी जोरदार आंदोलन करके आपको जगाने का काम करेगी।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

"भाजपा शासन में दलितों के उत्पीड़न में प्रदेश नंबर वन बन चुका है। दलितों, पिछड़ों और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। ये घटनाएं दलितों के उत्थान की बात करने वाली भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर करती हैं। जनता सब देख रही है और चुनाव में इनको सबक सिखाएगी।

अब्दुल हफीज गांधी, प्रवक्ता, सपा

"सोशल मीडिया पर एक दलित नाबालिग लड़की की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद थाना अमेठी पुलिस ने पीड़िता से संपर्क किया और उसके पिता की तहरीर पर विभिन्न धाराओं में आरोपी सूरज सोनी, शिवम और साकाल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अर्पित कपूर, पुलिस उपाधीक्षक, अमेठी

"भाजपा राज में दलित उत्पीड़न चरम पर है। चुनाव का समय होता है तो पीएम इनके पैर धोने लग जाते हैं, इनके साथ खाना खाने पहुंच जाते हैं लेकिन भाजपा नेताओं की दलितों के प्रति घृणा इनके आचरण में साफ झलक जाती है । हजारों करोड़ के चोर भाजपा की कृपा से ऐश काट रहे हैं और एक गरीब दलित बच्ची पर कहर बरपाया गया।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

"दलितों के उत्थान की बात करने वाली भाजपा के शासन में प्रदेश में दलितों पर रोज अत्याचार हो रहे हैं लेकिन सरकार मौन रहती है। यह सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। एक दलित लड़की की निर्मम पिटाई की जितनी निंदा की जाए कम है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

फिर बढ़ा संक्रमण, यूपी कोरोना प्रभावित राज्य घोषित

» राज्यपाल ने की उद्घोषणा महामारी एक्ट लागू

» कोरोना प्रोटोकॉल के पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश

» 46 जिलों में फिर से फैला संक्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में तीसरी लहर की आशंका के बीच उत्तर प्रदेश को कोरोना प्रभावित राज्य घोषित किया गया है। राज्यपाल के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव द्वारा जारी एक पत्र के माध्यम से इसकी घोषणा की गई है। पत्र के मुताबिक यूपी को 31 मार्च 2022 तक कोरोना प्रभावित राज्य घोषित किया गया है।

पत्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अधिनियम, 2020 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 17 सन 2020) की धारा तीन द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, यह घोषित करते हुए उद्घोषणा जारी करती हैं कि संपूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य कोविड-19 से प्रभावित है। यह उद्घोषणा 31 मार्च, 2022 तक या कोई अग्रतर आदेश जारी किए जाने तक, जो भी पहले हो, के लिए प्रभावी होगी। महामारी अधिनियम लागू हो गया है। यूपी में कई महीनों बाद पिछले चौबीस घंटे में कोरोना संक्रमण 80 नए मामले सामने आए हैं। अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के 46 जिलों में फिर से कोरोना फैल चुका है जबकि 29 जिलों में कोई सक्रिय केस नहीं है। दूसरी लहर के बाद यह एक दिन में यूपी में नए संक्रमण पाए जाने का सर्वाधिक मामला है।

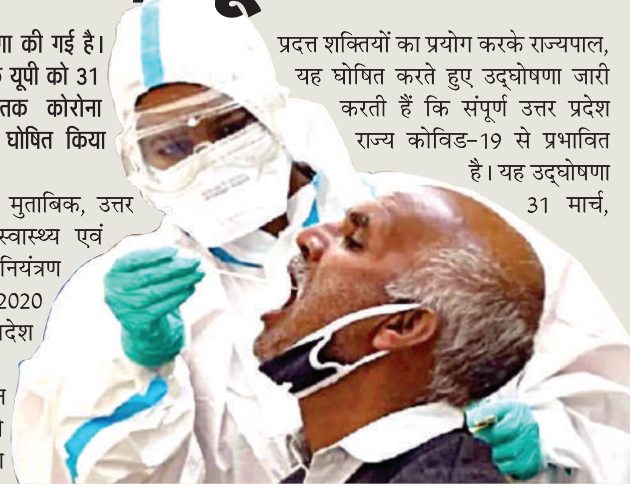

ये है नयी गाइड लाइन

गाइडलाइन के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर लोग मास्क जरुर लगाएंगे। बिना मास्क कोई भी दुकानदार ग्राहक को सामान नहीं देगा। शॉपिंग मॉल और मार्केट में बिना मास्क के प्रवेश वर्जित होगा। शॉपिंग मॉल व बड़े मार्केट में दो गज की दूरी बनाए रखनी होगी। साथ ही सेनेटाइजर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। शादी समारोह और दूसरे कार्यक्रम में 200 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते हैं। इसके अलावा 11 बजे रात से सुबह पांच बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू है।

300 से अधिक सीटों के साथ सत्ता में वापसी करेगी योगी सरकार: अनुराग ठाकुर

» गुंडाराज के खिलाफ कार्रवाई सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा भाजपा उत्तर प्रदेश में 300 से अधिक सीटों के साथ सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि पिछली समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य में बड़े पैमाने पर गुंडाराज और माफियाराज के कारण लोग उत्तर प्रदेश से चले गए और अब वे आदित्यनाथ सरकार का काम देखकर लौट रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि योगी सरकार की वापसी गुंडाराज के खिलाफ कार्रवाई, अभूतपूर्व विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर होगी।

अनुराग ठाकुर वाराणसी में काशी फिल्म महोत्सव के पहले संस्करण में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के तहत विकास कार्य प्रभावित हुए, क्योंकि वह गुंडों को बचाने में व्यस्त थी। उत्तर प्रदेश में महिलाएं अब अंधेरे में अपने घरों से बाहर निकल सकती हैं, गुंडों के खिलाफ कार्रवाई से व्यापारियों में विश्वास पैदा हुआ है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभियान के लिए कांग्रेस के महिला केंद्रित दृष्टिकोण पर एक सवाल के जवाब में ठाकुर ने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनावों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करने वालों के साथ हाथ मिलाया था। क्या प्रियंका गांधी नहीं मानेंगी कि सपा ने अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे गुंडों का समर्थन किया? ब्राह्मण समुदाय में नाराजगी की खबरों पर ठाकुर ने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर काम करती है। प्रदेश में 4.5 लाख युवाओं को सरकारी क्षेत्र में रोजगार मिला है और 3 लाख युवाओं को जाति के आधार पर भेदभाव के बिना अनुबंध के आधार पर रोजगार मिला है।

उत्तराखंड में भी वापसी करेगी भाजपा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव सह प्रभारी ठाकुर ने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश में उनकी पार्टी को पिछले चुनावों की तुलना में अधिक सीटें मिलेंगी। लाखों लोग ऐसे हैं, जिन्हें पक्का घर, बिजली कनेक्शन, आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभ और मुफ्त राशन मिला। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि सामाजिक कल्याण योजनाओं और कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार ये ऐसे दो कारण हैं जो भाजपा को वापस सत्ता में लेकर आएगी। मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में भी भाजपा सत्ता में वापसी करेगी।

हम जनता को दे रहे हिसाब और अखिलेश झांसा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बदायूं में सीधे सपा पर प्रहार किया। कहा कि हम पूरे विश्वास के साथ अपना हिसाब दे रहे हैं, अखिलेश यादव तरह-तरह के प्रलोभन देकर लोगों को झांसा दे रहे हैं। कहा कि हम किसान की बात करते हैं, हमारे मुंह से गन्ना निकलता है, लेकिन उन लोगों के मुंह से जिन्ना निकलता है। जिन्ना का नाम लेने वाले देश के लिए खतरा हैं। लोग मंदिर बनवाने से रोक रहे थे, कारसेवकों पर गोलियां चलवा रहे थे, आज मंदिर में जाकर घंटा हिला रहे हैं। जिन्हें टीका से आचमन करने नहीं आता वह तिलक लगा रहे हैं।

अयोध्या में जमीन खरीद की जांच का दायरा बढ़ेगा

» नए तथ्य उजागर : इसी हफ्ते सौंपी जाएगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर के पांच किलोमीटर के दायरे में विधायक, महापौर और पुलिस-प्रशासन के कई अधिकारियों व कर्मचारियों के रिश्तेदारों के नाम पर जमीनें खरीदने के मामले की प्रदेश की योगी सरकार जांच करवा रही है। अब प्रकरण की जांच का दायरा बढ़ सकता है। मीडिया में यह मामला उजागर होने के बाद शासन राजस्व विभाग से इसकी जांच करा रहा है। सूत्रों के अनुसार पुलिस व प्रशासन के अफसरों के अलावा अयोध्या में बड़ी संख्या में बिजली विभाग के अभियंताओं के रिश्तेदारों के नाम भी जमीनें खरीदी गई हैं।

राजस्व विभाग ने माझा बरहटा में जमीनों की खरीद-फरोख्त के दस्तावेज मंगा लिए हैं। दस्तावेजों को खंगालने के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि माझा बरहटा में बिजली विभाग के अभियंताओं के सगे संबंधियों के नाम भी जमीनें खरीदी गई हैं। फिलहाल विभाग यह पड़ताल कर रहा है कि जमीनें नियमसंगत तरीके से खरीदी गई हैं या नियमों का उल्लंघन कर। राजस्व विभाग की ओर से मुख्यमंत्री कार्यालय को इसी हफ्ते जांच रिपोर्ट सौंपे जाने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट ने नौ नवंबर 2019 को अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण का फैसला सुनाया था। कोर्ट के इस आदेश के बाद अयोध्या में जमीन की कीमतें बढ़ने लगी थीं। फरवरी 2020 में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन हुआ था। ट्रस्ट ने लगभग 70 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था।

धर्म संसद के बहाने बापू को खारिज करना सबसे बड़ा अधर्म : राकेश टिकैत

» जहर उगलने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने मुजफ्फरनगर में कहा कि धर्म संसद के बहाने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को खारिज करना ही सबसे बड़ा अधर्म है। ऐसे अधर्मियों ने मानवता को कलंकित किया है। रायपुर में आयोजित धर्म संसद के दौरान संत कालीचरण ने विवादित बयान दिया था।

भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने ट्वीट कर कहा कि रघुपति राघव राजा राम के सहारे राम को जन-जन के घट में रोपित करने वाले महात्मा गांधी जैसे युग पुरुष को तथाकथित धर्म संसद के बहाने खारिज करना ही सबसे बड़ा अधर्म है। भाकियू ऐसे किसी भी कृत्य को सिरे से खारिज करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे जहरीले बोल कहने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। टिकैत ने कहा कि राष्ट्रपिता ने अपने अहिंसक आंदोलनों से देश के अंदर आजादी की ललक जगाई और अंग्रेजों को भगाने का कार्य किया। देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। राकेश टिकैत ने किसान आंदोलन को लेकर कहा यह आंदोलन किसानों के हक के लिए किया गया था।

राष्ट्रीय अति दलित महासंघ की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय अति दलित महासंघ की एक बैठक प्रेस क्लब लखनऊ में हुई। इसमें महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजू वाल्मीकि ने बताया कि चुनाव से पहले दलित समाज को जागने की जरूरत है। उन्होंने राजनीतिक पार्टियों को संदेश दिया है कि आगामी चुनाव में वाल्मीकि समाज उसी पार्टी को वोट व सपोर्ट करेगा, जो पार्टी आखिरी पायदान पर खड़े वाल्मीकि समाज को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए पंजाब व हरियाणा की भांति एससी आरक्षण का उपवर्गीयकृत प्राथमिकता के आधार पर यूपी के राज्य में 5 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित करने की घोषणा को चुनावी घोषणा पत्र में समायोजित करने का काम करेगी। वहीं युवा आगाज के संगठन महामंत्री विशाल वाल्मीकि ने भी अपने विचार रखे।

आप पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी : गोपाल राय

» दिल्ली के आप नेता कल से उत्तराखंड के दौरे पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री गोपाल राय व आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेता 30 व 31 दिसंबर को उत्तराखंड दौरे पर रहेंगे। इस दौरान जहां वह आम आदमी पार्टी की चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे तो दूसरी ओर आखिरी 45 दिनों की रणनीति पर भी मंथन करेंगे। आप प्रदेश कार्यालय में नवीन पिरशाली ने बताया कि राय यहां पार्टी पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे।

बूथ से लेकर रैलियों समेत आगामी रणनीतियों की समीक्षा करेंगे। वहीं मंत्री गोपाल राय ने फोन पर बताया कि उत्तराखंड चुनाव को लेकर आखिरी 45 दिन की रणनीति को लेकर आप पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी। राय की समीक्षा बैठक में कर्नल कोठियाल, आप प्रभारी दिनेश मोहनिया, आप सह प्रभारी राजीव चौधरी, प्रवीण देशमुख और आप के तीनों कार्यकारी अध्यक्ष समेत चुनाव कमेटी के लोग मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि आप पार्टी से लोगों के जुड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। अब चंडीगढ़ में निकाय चुनावों में ऐतिहासिक नतीजों के बाद यह अभियान तेजी से चलेगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सरकार को घेरने में जुटे हैं विपक्षी दल पर खिलेगा तो कमल ही: केशव मौर्य

» भाजपा के लिए चुनौती नहीं है सपा-रालोद गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत झोंक दी है। एक कोने से दूसरा कोना को नेता नापने में लगे हैं। सत्ता से बाहर बैठे विपक्षी दल सरकार पर निशाना साध सरकार को घेरने में जुटे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी 2017 के इतिहास को दोहराने के लिए पुरजोर कोशिश में लगी है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को जिस तरह से लोगों का समर्थन मिल रहा है, उसका सामना करने के लिए पार्टियां सहयोगी तलाश रही हैं। उनके पास प्रत्याशी नहीं हैं।

जिस तरह लोकसभा व पिछले विधानसभा चुनाव में सपा, बसपा, रालोद व कांग्रेस गठबंधन करने के बाद भी भाजपा को नहीं रोक पाई। इस बार भी नहीं रोक पाएंगी। केशव मौर्य ने कहा ये सब मौसमी राम भक्त हैं। अभी तक ये लोग व्यंग्यात्मक टिप्पणी कर भगवान राम को अलंकृत करते थे। अब राजनीतिक स्वार्थ के लिए राम दरबार में मत्था टेक रहे हैं, हाथ फैला रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के लिए राम राजनीतिक मुद्दा नहीं, आस्था का प्रतीक हैं। करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक भगवान राम का अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। भाजपा ने विरोधी दलों का एजेंडा बदला है। अब विपक्षी दलों के नेताओं को मंदिर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी व अरविंद केजरीवाल सब मंदिर में माथा टेक रहे हैं। कांवड़ यात्रा में अराजक तत्व व्यवधान डालते थे, आज कांवड़ यात्रा पर फूल बरसाए जाते हैं। प्रयागराज व वाराणसी पूरी तरह से बदल चुका है। संकीर्ण गलियां चौड़े रास्ते में बदल गई हैं। प्रदेश सरकार का साढ़े चार साल का कार्यकाल लीक से हटकर रहा है। केंद्र व प्रदेश दोनों में भाजपा की सरकार होने से बहुत फायदा हुआ। दोनों सरकारों के बीच बेहतर तालमेल के कारण विकास योजनाओं के लिए केंद्र से समय पर धन मिला, प्रदेश सरकार ने तत्परता से योजना का क्रियान्वयन किया। बहुत कम समय में हम विकास परियोजनाओं को फलीभूत करने में सफल रहे। तालमेल का ही नतीजा है कि प्रदेश में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर में खाद कारखाना, जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट का शिलान्यास हुआ। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तो प्रदेश की विकास परियोजना में अड़ंगा लगाया जाता था।

मिशन यूपी को भाजपा ने झोंकी ताकत प्रदेश को मथने में जुटे दिग्गज नेता

» चुनावी समर की कमान अब मोदी और शाह ने संभाली

» विकास पर फोकस कर रहे प्रधानमंत्री तो यात्राओं से साधा जा रहा जनविश्वास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने को भाजपा ने पूरा जोर लगा दिया है। उत्तर प्रदेश में चुनावी समर की कमान खुद पीएम मोदी और अमित शाह ने संभाल ली है। जहां पीएम मोदी लगातार कानपुर मेट्रो, प्रयागराज में महिलाओं को 1000 करोड़ की योजनाएं, गंगा एक्सप्रेस वे समेत यूपी को विकास की तमाम योजनाओं की सौगात दे रहे हैं, वहीं अमित शाह ने जन विश्वास यात्राओं से आधे से ज्यादा यूपी को मथ डाला है। अमित शाह ने पिछले सात दिनों में अपनी रैलियों से यूपी की 250 विधान सभा सीटों पर माहौल बनाने का काम किया है।

भाजपा ने 19 दिसंबर से प्रदेश के छह जिलों से जनविश्वास यात्राएं शुरू की थीं, यात्राओं की नाव पर सवार भाजपा के नेता आधे से ज्यादा यूपी मथ चुके हैं। भाजपा को उम्मीद है कि वह इनके माध्यम से एक बार फिर जनविश्वास को साध सकेगी। यात्राओं के माध्यम से भाजपा जनअपेक्षा को तो समझ ही रही है, कार्यकर्ताओं को भी नए माहौल के मुताबिक लड़ाई के लिए तैयार कर रही है। एक ओर मोदी और शाह की जोड़ी माहौल बना रही है तो दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय और स्थानीय चेहरे भी जनता से जुड़े मुद्दों को उछालकर जनता की नब्ज टटोल रहे हैं जिनको समझकर पार्टी अभी से दूसरे चरण के कैम्पेन की रणनीति बना रही है। भाजपा की जनविश्वास यात्राएं आधा से ज्यादा यूपी नाप चुकी हैं। सभी छह यात्राएं अब तक 8,500 किमी चल चुकी हैं, इनकी जद में प्रदेश की 250 विधान सभा सीटें आ चुकी हैं। इनमें भाजपा के 67 सांगठनिक जिले आते हैं। यात्राओं के माध्यम से भाजपा अबतक 2173 स्वागत सभाएं, 593 छोटी सभाएं, 38 बड़ी सभाएं कर चुकी है। शाह की यह रणनीति है कि यूपी के चुनावी मिजाज को समझा जाए ताकि प्रदेश में सत्ता की चाबी मिल सके।

ये भी जुटे माहौल बनाने में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो हर यात्रा में एक से दो सभाएं कर चुके हैं, इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, अनुराग ठाकुर, स्मृति ईरानी, महेंद्र नाथ पांडेय, पंकज चौधरी, संजीव बालियान, जनरल वीके सिंह, बीएल वर्मा, एसपी सिंह बघेल, साध्वी निरंजन ज्योति, भानु वर्मा के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डॉ. दिनेश शर्मा, प्रदेश सरकार में मंत्री श्रीकान्त शर्मा, बृजेश पाठक, सूर्य प्रताप शाही, महेंद्र सिंह, भूपेंद्र चौधरी, लक्ष्मी नारायण चौधरी, सतीश महाना, सिध्दार्थ नाथ सिंह समेत पूरी कैबिनेट यात्रा में सभा करके साथ चल रहे हैं।

भ्रष्टाचार और गुंडाराज को बना रहे मुद्दा

मुख्यमंत्री जहां पिछली सरकार के गुंडाराज, भ्रष्टाचार को मुद्दा बना रहे हैं तो केंद्रीय नेता मोदी और योगी राज में किये गए विकास के कार्यों को गिना रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य मथुरा का नाम लेकर हिंदुत्व के मुद्दे को भी हवा दे रहे हैं। अतीक, मुख्तार, आजम खान को जेल भेजने का क्रेडिट भी भाजपा लेकर ध्रुवीकरण का भी काम कर रही है। वहीं सभी नेता गरीब, पिछड़ों, दलितों, वंचितों और महिलाओं के लिए किए गए काम गिना रहे हैं। जो मुद्दे सूट कर रहे हैं उन्हें भाजपा आगे बढ़ा रही है।

सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में लगाई जाएगी जायडस वैक्सीन

28-28 दिन के अंतराल पर दिए जाएंगे तीन डोज

» पहले फेज में 14 जिलों को उपलब्ध कराई जाएगी वैक्सीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में कोवैक्सीन और कोविशील्ड के बाद अब मुफ्त में जायडस वैक्सीन लगाई जाएगी। पहले फेज में 14 जिलों को यह वैक्सीन उपलब्ध कराई जाएगी। इसे 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों को लगाया जाएगा। जायडस तीन डोज वाली वैक्सीन है, जिसे 28-28 दिन के अंतराल पर लगाया जाएगा। अब तक 17 करोड़ 42 लाख 41 हजार से अधिक डोज कोविशील्ड, दो करोड़ 16 लाख 33 हजार कोवाक्सिन और 51 हजार स्पूतनिक वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी है। स्पूतनिक सिर्फ निजी अस्पतालों में ही लगाई जा रही है।

अब चौथी वैक्सीन के रूप में जायडस कैडिला कंपनी का टीका आ रहा है। पहले चरण में इसे लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, गाजियाबाद, गोरखपुर, कानपुर नगर, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर और वाराणसी जिले में उपलब्ध कराने की तैयारी है। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐलान के बाद प्रदेश में 15 से 18 साल के किशोरों को टीका लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। अगले माह से शुरू होने से वाले इस उम्र समूह के टीकाकरण को लेकर मंथन हो रहा है। केंद्र सरकार की ओर से इस बाबत नई गाइडलाइन जारी होने का इंतजार है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से कार्ययोजना जारी की जाएगी।

हर किसी को अपनाना होगा मास्क और दो गज की दूरी का फॉर्मूला

सरकार कोरोना संक्रमण के ताजा संकट से मुकाबले के लिए सतत जूझ रही है लेकिन ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट और टीकाकरण पर ध्यान खास तौर पर केंद्रित करना होगा। ये प्रयास भी तभी सफल होंगे जब जनता इसमें बढ़-चढ़कर अपनी समग्र भागीदारी को प्रदर्शित करे। कम से कम मास्क और दो गज की दूरी का फॉर्मूला तो हर किसी को अपनाना ही होगा। प्रशासन को भी इस ओर खास मुस्तैदी दिखानी होगी कि आयोजनों में मानक से अधिक भीड़ एकत्रित न होने पाए। अच्छी बात यह है कि कई जिले ऐसे भी हैं जहां निरंतर सजगता और जागरूकता के फलस्वरूप हाल-फिलहाल कोरोना का नया केस नहीं मिला है।

नए साल से बूस्टर डोज की सौगात

टीकाकरण एवं मातृ स्वास्थ्य के महाप्रबंधक डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में जनवरी से करीब 10 लाख फ्रंटलाइन वर्कर्स और 10 लाख हेल्थ केयर वर्कर्स को बूस्टर डोज दी जाएगी। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए टीकाकरण की पहली व दूसरी डोज लगवाने के लिए घर-घर जाकर बुलावा पर्ची भेजी जा रही है। क्षेत्र में ही लोगों की सुविधानुसार टीकाकरण बूथ बनाए गए हैं। प्रदेश में अब तक 12 करोड़ 56 लाख से अधिक पहली डोज और 6 करोड़ 95 लाख से अधिक दूसरी डोज दी जा चुकी है।

तीसरी लहर से जंग की तैयारी

यूपी में कोरोना के बढ़ते मामलों के तहत लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को परखने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम राजधानी पहुंची। टीम ने विभिन्न अस्पतालों से लेकर एयरपोर्ट तक की तमाम स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। केंद्रीय टीम ने कोरोना की तीसरी लहर से जंग की तैयारियों को अपने पैमाने पर परखा। बेडों की संख्या, आईसीयू और वेंटिलेटर के बारे में भी जानकारी ली। ओमिक्रॉन के खतरे को बढ़ता देखकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से चार सदस्यीय टीम लालबाग स्थित कोविड कमांड सेंटर पहुंची। यहां कर्मचारियों के कामकाज के तरीके का हाल लिया। इस दौरान टीकाकरण की स्थिति, कोरोना संक्रमित बच्चों के भर्ती की व्यवस्था, पीआईसीयू और एनआईसीयू वार्ड और जरूरी दवाओं की उपलब्धता के बारे में पड़ताल की।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सतर्कता हवा, तीसरी लहर को न्योता

> कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते संक्रमण के बावजूद देश में कहीं भी सतर्कता नहीं दिख रही है। चुनावी राज्यों में लापरवाही चरम पर है। कहने को राज्य सरकारों ने कई पाबंदियां घोषित कर दी हैं लेकिन इनका पालन जमीन पर होता नहीं दिख रहा है। न रैलियां बंद हुई हैं न ही लोग सार्वजनिक स्थलों पर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। यह लापरवाही निश्चित तौर पर तीसरी लहर को न्योता देने जैसा ही है।

कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते संक्रमण के बावजूद देश में कहीं भी सतर्कता नहीं दिख रही है। चुनावी राज्यों में लापरवाही चरम पर है। कहने को राज्य सरकारों ने कई पाबंदियां घोषित कर दी हैं लेकिन इनका पालन जमीन पर होता नहीं दिख रहा है। न रैलियां बंद हुई हैं न ही लोग सार्वजनिक स्थलों पर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। यह लापरवाही निश्चित तौर पर तीसरी लहर को न्योता देने जैसा ही है। सवाल यह है कि तीसरी लहर की आशंका के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें गंभीर क्यों नहीं हैं? तमाम निर्देशों के बावजूद लोग मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? सियासी रैलियों में उमड़ी भीड़ में कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां क्यों उड़ रही हैं? क्या सियासी दलों के लिए सत्ता के आगे नागरिकों के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? क्या संपूर्ण टीकाकरण के बिना कोरोना की रफ्तार को थामा जा सकता है? क्या राज्य सरकारों ने दूसरी लहर से कोई सबक नहीं सीखा? क्या एक और लहर अर्थव्यवस्था को रसातल में नहीं पहुंचा देगी?

दो वर्षों से कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले रखा है। इसके कारण अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था तबाह हो चुकी है। करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी छिन चुकी है। वहीं कई लाख लोग इसकी चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। अब जब स्थितियां सामान्य होने लगी तो एक बार फिर कोरोना के नए वेरिएंट ने दहशत पैदा कर दी है। ओमिक्रॉन पूरी दुनिया में तेजी से फैल रहा है। भारत में 21 राज्य इसकी चपेट में आ चुके है। यह डेल्टा से कई गुना संक्रामक है और विशेषज्ञों ने तीसरी लहर की आशंका जता दी है। देश के कई राज्यों ने सतर्कता बरतते हुए एक बार फिर पाबंदी लगानी शुरू कर दी है लेकिन इन पाबंदियों का असर कहीं नहीं दिख रहा है। लोग बाजार और रैलियों में भीड़ लगा रहे हैं। वे न तो मास्क लगा रहे हैं न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। यूपी समेत पांच चुनावी राज्यों में सियासी रैलियों में उमड़ रही भीड़ संक्रमण को कभी भी बढ़ा सकती है। बावजूद इसके न तो केंद्र न ही राज्य सरकारें गंभीर दिख रही हैं। पुलिस प्रशासन भी किसी प्रकार की सख्ती बरतते हुए नहीं दिख रहा है। यह स्थिति तब है जब देश में अभी भी संपूर्ण टीकाकरण नहीं हो सका है। अभी महज 61 फीसदी लोगों को ही वैक्सीन की दोनों डोज लग सकी है। जाहिर है यदि लोगों ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया तो तीसरी लहर को आने से नहीं रोका जा सकेगा। ऐसे में सरकार को जल्द से जल्द जरूरी कदम उठाने चाहिए। साथ ही टीकाकरण के साथ चिकित्सा सुविधाओं पर भी फोकस करना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र के लिए संवाद जरूरी

मोहन गुरुस्वामी

असम विधान सभा को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 'लोकतंत्र बहस और संवाद पर आधारित होता है पर सदन में चर्चा में लगातार अवरोध और समुचित उपस्थिति का अभाव चिंता का विषय है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच असहमति स्वाभाविक हो, लेकिन असंतोष का परिणाम गतिरोध नहीं होना चाहिए।' इस मुद्दे को उठाते हुए उन्हें हमारे सदनों के अध्यक्षों की भूमिका के बारे में भी आत्मचिंतन करना चाहिए।

प्रतिनिधि सभाएं और संसद स्व-शासित संस्थाएं हैं, फिर भी उन्हें शासित करने की आवश्यकता होती है। चूंकि सभापति भी सदन के सदस्यों द्वारा सीधे निर्वाचित होता है, वह हमारी राजनीति और राजनीतिक तंत्र का ही हिस्सा होता है। सभापति कैसे अपना उत्तरदायित्व निभायेगा, यह उस व्यक्ति पर निर्भर करता है, लेकिन हमारी व्यवस्था में यह दुखद है कि मुख्य राजनीतिक कार्यकारी का प्रभाव इस कार्यालय पर बहुत अधिक होता है और अक्सर सभापति प्रभावशाली राजनेताओं के असर में आ जाता है। निश्चित ही सभापति प्रभावी हो सकता है और उचित कार्यवाही कर सकता है, भले ही इसे उसके नेता पसंद न करें। ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं कि सभापति के माध्यम से विधायिका को सरकारें नियंत्रित करना चाहती हैं तथा विपक्षी सदस्यों को सदन से निष्कासित कर जनादेश और बहुमत के हिसाब को भी बदलना चाहती हैं। कई लोग मानते हैं कि यह सोचकर चर्चा को मंजूर या नामंजूर किया जाता है कि इससे सदन का माहौल गर्म हो जाए, जिससे या तो सदस्य बहिष्कार कर दें या निष्कासन को सही ठहराया जा सके। ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमंस के स्पीकर चर्चा का संचालन करते हैं और यह तय करते हैं कि कौन इसमें भाग ले सकता है। नियम तोड़ने पर वे सदस्यों को दंडित भी करते हैं। हाल में स्पीकर सर लिंडसे हॉयल ने चर्चा में गतिरोध पैदा कर रहे प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन डपटते हुए कहा, 'आप ब्रिटेन के प्रधानमंत्री हो सकते हैं, लेकिन इस सदन का मुखिया मैं हूं और मैं आपको आदेश देता हूं कि आप बैठ जाएं।' अन्य देशों की विधायिकाओं के विपरीत ब्रिटिश सभापति स्पष्ट रूप से निरपेक्ष बने रहते हैं और पद ग्रहण करते और छोड़ते समय अपनी पार्टी से संबंध तोड़ लेते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर सक्रिय और पक्षधर बने रहते हैं तथा वह बहुमत प्राप्त दल के एजेंडे को आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं। इस प्रकार, ब्रिटिश प्रणाली की तर्ज

पर होने के लिए लक्षित भारतीय प्रणाली अमेरिका की तरह बन गयी लेकिन एक बड़ा अंतर भी है। अमेरिका में सचेतक (व्हिप) विधायिका को नियंत्रित नहीं करता। लोकतंत्र केवल निर्वाचित संसद और समय-समय पर चुनाव भर नहीं है। बहस और चर्चा के बिना लोकतंत्र बेमतलब है। यह एक ऐसी शासन प्रणाली है, जो समझौते और सामंजस्य से चलती है। इसमें विविध पक्ष एक साझा लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं, जहां विचार-विमर्श से एक साझा सहमति और स्वीकारता बनती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए सांस्थानिक व्यवस्था और संतुलन अनिवार्य शर्त हैं। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि हमारी संसद और विधायिकाएं ठीक से काम नहीं कर पा रही हैं। यह स्थिति बहुत समय से बनती आ रही थी और आज सदन देश की समस्याओं के समाधान के मंच होने से कहीं अधिक राजनीतिक अखाड़ा बन गया है। पहली लोक सभा ने लगभग चार हजार घंटे काम किया था, जबकि 16वीं लोकसभा में महज 16 सौ घंटे काम हुआ। दरअसल, राजनीति के गैर-विचारधारात्मक प्रतिस्पर्धा में बदलते जाने से संसद में चर्चा और बहस का अंत हुआ है। चौबीस घंटे चलनेवाले खबरिया चैनलों के विस्तार और उन पर होनेवाली शोरभरी निरर्थक बहसों ने इस प्रक्रिया को तेज किया है। संसद की बैठकें होती हैं, विधेयक भी पारित होते हैं और कानून भी बनाये जाते हैं, यह सब अधिकतर बिना चर्चा के होता है, जो जरूरी है और जिसकी हम अपेक्षा रखते हैं। केंद्रीय बजट पर भी शायद ही बहस होती है। कई बार संसद समुचित उपस्थिति के बिना चलती है। स्पीकर के चुनाव की परंपरा पर पुनर्विचार की जरूरत है। किसी सम्मानित और भरोसेमंद व्यक्ति, जैसे सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश, को स्पीकर बनाया जाना उचित होगा, जो इस सही और गलत की अधिक विवेकपूर्ण समझ ला सकता है। दल-बदल विरोधी कानून स्वतंत्र बहस और असंतोष को व्यक्त करने में बड़ी बाधा है। निष्कासन के भय से यह व्हिप का गुलाम बना देता है, जिसके आतंक से सांसद कठपुतली भर हो जाते हैं और उनको पार्टी नेतृत्व की इच्छा के अनुसार ही काम करना होता है।

नव वर्ष की आर्थिक प्राथमिकताएं

अजीत रानाडे

जल्द ही हम नये साल में होंगे और लगभग एक माह बाद वित्त मंत्री अप्रैल, 2022 से शुरू होनेवाले वित्त वर्ष के लिए बजट पेश करेंगी। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश के आर्थिक प्रदर्शन के बारे में भी हमें जानकारी मिलेगी। वैसे हर माह या पखवाड़े आनेवाले सूचकांकों से हमें स्थिति का पता चलता रहता है और आर्थिक सर्वेक्षण की वैसी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती। वर्तमान आर्थिक स्थिति का सकारात्मक पक्ष यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी है और दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं-अमेरिका और चीन- की वृद्धि दर पांच प्रतिशत से अधिक है। अधिक वृद्धि से अमेरिका में कुछ समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। वहां मुद्रास्फीति की दर लगभग सात प्रतिशत पहुंच गयी है, जो चार दशकों में सबसे अधिक है। यह बहुत अधिक मुद्रा आपूर्ति और अब श्रम व कौशल की कमी से गंभीर हो रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेज बढ़त भारत जैसे विकासशील देशों के लिए निर्यात का मौका होना चाहिए। असल में, इस साल भारत का वस्तु निर्यात 400 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो पिछले साल से करीब 40 फीसदी ज्यादा है। दूसरे अच्छे सूचक बढ़िया कर संग्रहण (जो पिछले बजट में तय लक्ष्य से बहुत अधिक है), बढ़ता शेयर बाजार और कंपनियों का उच्च मूल्यांकन, कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छा मुनाफा (कम से कम बड़े कॉर्पोरेट का) तथा बैंकों के खाते में फंसे कर्जों का कम अनुपात हैं। नकारात्मक पहलुओं में सबसे पहले ओमिक्रॉन को लेकर चिंता है। महामारी की तीसरी लहर कितनी बड़ी हो सकती है? यह कितनी घातक हो सकती है? क्या इससे लॉकडाउन लगाने की नौबत आ सकती है? ये सभी आशंकाएं कुछ हद तक कम गंभीर हैं, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बेहतर तैयारी है, व्यापक टीकाकरण हुआ है, सामुदायिक प्रतिरोधक क्षमता बेहतर है, कोरोना से बचाव के निर्देशों के पालन पर अधिक जोर है, स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाने को लेकर समझ अच्छी है। साथ ही, यह स्वीकारता भी है कि जीवन चलता रहना चाहिए।

भले ही यह वैरिएंट बहुत अधिक संक्रामक है, पर कम घातक है, लेकिन यह कहने का अर्थ यह नहीं है कि हमें लापरवाह हो जाना चाहिए। चिंता की बात अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में दबाव है, खासकर रेहड़ी-पटरी, किराना, मॉल के कामगारों की स्थिति ठीक नहीं है। मनरेगा के तहत काम की बढ़ती मांग को देखते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी दबाव में है। बहुत अच्छी फसल की उम्मीद के बावजूद अनाजों के भाव नीचे हैं, जिस कारण न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग हो रही है। खाद्य तेलों (अधिकतर आयातित) तथा दूध और पॉल्ट्री जैसी प्रोटीन स्रोतों के महंगे होने से खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ती जा रही है। ग्रामीण बेरोजगारी दर बढ़ रही है तथा ग्रामीण मजदूरी में ठहराव आ गया है। विभिन्न आंकड़े बता रहे हैं कि भारत में श्रम भागीदारी दर महज 40 प्रतिशत रह गयी है, जो एशिया में सबसे कम है।

यह 18 से 60 साल आयु के उन लोगों का अनुपात है, जो रोजगार में हैं या रोजगार की तलाश में हैं। बांग्लादेश में यह दर 53, पाकिस्तान में 48 और नेपाल में 74 प्रतिशत है। क्या भारत में यह कम दर हतोत्साहित कामगारों की ओर संकेत है, जो काम मिलने की उम्मीद भी छोड़ चुके हैं। भारत में महिला श्रम भागीदारी की दर 20 प्रतिशत है, जो समकक्ष देशों में पहले से ही सबसे कम है। बढ़ती मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के साथ विषमता में वृद्धि भी हो रही है। विश्व विषमता रिपोर्ट, 2022 के अनुसार, कुल राष्ट्रीय आय का 57 फीसदी हिस्सा शीर्ष के 10 फीसदी लोगों के हाथों में है। इनमें से शीर्षस्थ एक फीसदी के पास अकेले 22 फीसदी राष्ट्रीय आय है, जबकि सबसे निचले आधे लोगों के पास राष्ट्रीय आय का केवल 13 प्रतिशत हिस्सा है। इन आंकड़ों के लिहाज से भारत दुनिया की सबसे बड़ी विषम अर्थव्यवस्थाओं में है। इसकी पुष्टि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के आंकड़ों पर आधारित नीति आयोग की रिपोर्ट से भी होती है, जिसमें बताया गया है कि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में बहुत अधिक बहुआयामी गरीबी दर है। नीति आयोग आय का आकलन नहीं करता है और इसमें शिशु मृत्यु दर, परिसंपत्ति और शिक्षा का सर्वेक्षण होता है। इन दो सालों में स्कूली शिक्षा की स्थिति का लंबा नकारात्मक असर भारत के मानव पूंजी विकास पर पड़ सकता है इसीलिए अगले साल की प्राथमिकताएं स्पष्ट दिख रही हैं।

सबसे पहले हमें बिना कड़ी पाबंदियों के ओमिक्रॉन के लिए तैयार होना है। टीकाकरण की प्रगति को बढ़ाना होगा। हर जगह यह सुनिश्चित करना होगा कि कम से कम 50 फीसदी छात्रों के साथ स्कूल खुलें। कौशल विकास और प्रशिक्षण के कार्यक्रम चलाये जाने चाहिए अगर लोगों को स्थायी रोजगार देने की बाध्यता न हो, तो कंपनियां प्रशिक्षुओं को तुरंत काम दें। राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन परियोजनाओं को गतिशील करना शुरू कर देना चाहिए। लगभग 20 लाख करोड़ सालाना खर्च करने के वादों पर अमल से नौकरियों और सहायक कारोबारों में बढ़त होगी। निरंतर निर्यात वृद्धि के लिए समर्थन मिलता रहना चाहिए। कृषि निर्यात को बाधित नहीं करना चाहिए। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को सफल बनाना होगा। करों के बोझ से भी राहत मिलनी चाहिए।

सर्दी के मौसम में खांसी, जुकाम और गले में आराम देगी मसाले वाली चाय

सर्दी के मौसम में खांसी, जुकाम और गले में खराश होना आम बात है। इस मौसम में गले में खराश की समस्या बहुत सारे लोगों में हो जाती है। खराश को समय पर ठीक करना जरूरी होता है वरना यह खांसी का रूप ले लेती है। गले की खराश को ठीक करने के लिए आप दवाई खाने की बजाए इन बेहद आसान घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं।

मौसम बदलते ही गले में खराश होना आम बात है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। गले की खराश को आम बात समझ कर बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मसाला चाय

लौंग, तुलसी, अदरक और काली मिर्च को पानी में डालकर उबालें। इसके बाद इसमें चाय पत्ती डालकर चाय बनाएं। इस चाय को गर्म-गर्म ही पिएं। यह गले के लिए बेहद लाभदायक उपाय है।

नींबू

नींबू भी गले में खराश से छुटकारा दिला सकता है। नींबू के स्लाइस पर नमक और काली मिर्च छिड़कें और फिर धीरे-धीरे नींबू चाटें। गर्म पानी के साथ नींबू के रस के मिश्रण से कुल्ला भी कर सकते हैं।

अदरक

अदरक में एंटिबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो गले के इंफेक्शन और दर्द से राहत देते हैं। एक कप पानी में अदरक डालकर उबालें। हल्का गुनगुना करके इसमें शहद मिलाएं और दो बार पिएं।

शहद

शहद का जीवाणुरोधी गुण गले की खराश ठीक कर सकता है। गुनगुने पानी में शहद के एक या दो बड़े चम्मच मिलाएं और इसे दिन में तीन से चार बार पिएं। अगर गले में खराश के साथ अच्छा महसूस नहीं हो रहा तो सोने से पहले एक चम्मच शहद लें।

लहसुन

लहसुन इंफेक्शन पैदा करने वाले जीवाणुओं को मार देता है। इसलिए गले की खराश में लहसुन बेहद फायदेमंद है। लहसुन में मौजूद ऐलिसिन जीवाणुओं को मारने के साथ ही गले की सूजन और दर्द को भी कम करता है। उपचार के लिए गालों के दोनों तरफ लहसुन की एक-एक कली रखकर धीरे-धीरे चूसते रहें।

दालचीनी

दालचीनी गले की खराश दूर करने में मददगार है। एक चुटकी दालचीनी पाउडर, एक चुटकी काली मिर्च और थोड़ा सा पानी लें। तीनों को मिक्स करके थोड़ी देर के लिए उबाल लें। फिर इसे पिएं, फायदा होगा।

नमक

नमक के पानी का एंटीसेप्टिक गुण गले के इंफेक्शन को कम कर करता है। गर्म पानी का एक गिलास लें और फिर आधा चम्मच नमक डाल लें। फिर नमक के पानी से दिन में दो से तीन बार गरारा करें।

भांप लेना

कई बार गले के सूखने के कारण भी गले में इंफेक्शन की शिकायत होती है। ऐसे में किसी बड़े बर्तन में गुनगुना पानी करके तौलिए से मुंह ढंककर भाप लें।

सेब का सिरका

दो बड़े चम्मच सेब का सिरका लें और उसे एक कप गुनगुने पानी के साथ मिलाएं। ये मिश्रण खराश में फायदा करेगा।

हंसना मना है

लड़का: तुम्हारे दांत बिल्कुल सितारों की तरह हैं। लड़की: हाय, थैंक्यू! क्या ये इतने सुंदर हैं। लड़का: नहीं, तुम्हारे दांत एकदम सितारों की तरह एक दूसरे से दूर-दूर हैं!

एक बच्चा पार्क में बेंच पर बैठा था और एक के बाद एक चॉकलेट खा रहा था। पास बैठी आन्टी बोली: ज्यादा मीठा खानेवाले जल्दी मर जाते हैं। बच्चा: आपको मालूम है मेरी दादी की उम्र 106 साल थी जब वह मरी थी। आन्टी: वह मीठा कम खाती होंगी। बच्चा: नहीं! वह अपने काम से काम रखती थी!

एक स्टूडेंट भगवान से बोला: एक डॉलर में रुपए की कीमत 68 तक पहुंचाई, पेट्रोल की 80, दूध की 50 और प्याज़ की 100 तक! पर फिर भी आपका लाख-लाख शुक्र है पासिंग मार्क्स आज भी 33 ही रखे हैं।

एक अमेरिकी ने एक भारतीय बच्चे से पूछा: तुम कितने साल के हो। बच्चे ने जवाब दिया: घर पर 14, स्कूल में 12, बस में 10, ट्रेन में 7 और फेसबुक पर 18।

चिंटू (लड़की से) : आप कहां रहती हैं। लड़की: एमजी रोड। चिंटू: इतनी खूबसूरत होकर भी आप रोड पर रहती हैं। मेरे घर चलिए!

कहानी: कांच की बरनी

दर्शनशास्त्र के एक प्रोफेसर कक्षा में आए और उन्होंने छात्रों से कहा कि वे आज जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाने वाले हैं। उन्होंने अपने साथ लाई एक कांच की बरनी टेबल पर रखी और उसमें टेबल टेनिस की गेंदें डालने लगे और तब तक डालते रहे जब तक उसमें एक भी गेंद समाने की जगह नहीं बची। उन्होंने छात्रों से पूछा, क्या बरनी पूरी भर गई? छात्रों ने कहा हां। फिर प्रोफेसर ने कंकड़ भरने शुरू किए। धीरे-धीरे बरनी को हिलाया तो जहां-जहां जगह थी वहां कंकड़ समा गए। प्रोफेसर ने फिर पूछा, क्या अब बरनी भर्ई गई है? छात्रों ने एक बार फिर हां कहा। अब प्रोफेसर ने रेत की थैली से हौले-हौले उस बरनी में रेत डालना शुरू किया। रेत भी उस बरनी में जहां संभव था बैठ गई। प्रोफेसर ने फिर पूछा कि क्यों अब तो यह बरनी पूरी भर गई न। हां, अब तो पूरी भर गई है, सभी ने कहा। प्रोफेसर ने समझाना शुरू किया। इस कांच की बरनी को तुम लोग अपना जीवन समझो। टेबल टेनिस की गेंद को भगवान, परिवार, बच्चे, मित्र, स्वास्थ्य और शौक समझो। छोटे कंकड़ का मतलब तुम्हारी नौकरी, कार, बड़ा मकान आदि है। रेत का मतलब और भी छोटी-छोटी बेकार सी बातें, मनमुटाव, झगड़े हैं। अब यदि तुमने कांच की बरनी में सबसे पहले रेत भरी होती तो टेबल टेनिस की गेंदों और कंकड़ों के लिए जगह ही नहीं बचती या कंकड़ भर दिए होते तो गेंदें नहीं भर पाते, रेत जरूर आ सकती थी। ठीक यही बात जीवन पर लागू होती है। यदि तुम छोटी-छोटी बातों के पीछे पड़े रहोगे और अपनी ऊर्जा उसमें नष्ट करोगे तो तुम्हारे पास मुख्य बातों के लिए अधिक समय नहीं रहेगा।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष 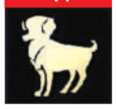 रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है। अचानक फायदा हो सकता है। बिजनेस में नए सौदे हो सकते हैं।

तुला 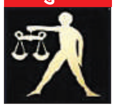 आत्मविश्वास बढ़ सकता है। पारिवारिक सुख और संतोष रहेगा। अपने कामकाज और कार्यक्रमों पर ध्यान दें।

वृषभ आपको उन बातों की चिंता हो सकती है जो आपके रोजमर्रा की जरूरतों में से एक है। वाहन सावधानी से चलाएं।

वृश्चिक पैसे के मामले में दूर स्थान के किसी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। निवेश या खर्च को लेकर भी बातचीत हो सकती है।

मिथुन 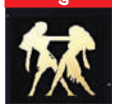 परिवार का सहयोग भी मिलेगा। नया व्हीकल या मोबाइल खरीदने का मन बना सकते हैं।

धनु 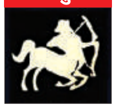 पार्टनर का मूड अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखमय रखेगा। शारीरिक सुख मिल सकता है।

कर्क पुरानी समस्याओं से परेशानी बढ़ने की संभावना है। स्वार्थ की भावना आप पर हावी हो सकती हैं।

मकर 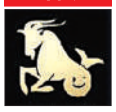 ऑफिस में मेहनत का फल मिल सकता है। मददगार इंसान से भी मुलाकात होने की संभावना है।

सिंह 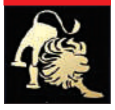 ऑफिस में विवाद होने के भी योग बन रहे हैं। कुछ कामों में रुकावटें आ सकती हैं। मेहनत भी ज्यादा हो सकती है।

कुम्भ 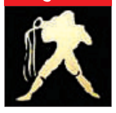 किसी काम या बात में जल्दबाजी करने से संभलकर रहें। स्टूडेंट्स के लिए समय अच्छा है।

कन्या 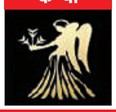 आप अपनी इच्छाएं पूरी करने के लिए खर्चा भी ज्यादा कर सकते हैं। ऐसा करने से बचें। सेहत को लेकर सावधान रहें।

मीन परेशानियों से निपटने के लिए नए सिरे से कोशिश करेंगे। आपके काम साथ के लोगों को भी अच्छे लगेंगे।

चौथे दिन ही फिल्म '83' की हालत हुई खराब

रणवीर सिंह स्टारर '83' के रिलीज होने से पहले फिल्म को जिस तरह की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही थी। रिलीज के बाद बिल्कुल उल्टा हुआ है। फिल्म का कलेक्शन हैरान करने वाला है। इसे उम्मीद के मुताबिक ओपनिंग नहीं मिली। इसके साथ आने वाले दिनों में इसकी मुश्किलें भी बढ़ती दिख रही हैं, जब दूसरी फिल्में सिनेमाघरों में आ जाएंगी। वीकेंड पर फिर भी फिल्म ने जैसे-तैसे खुद को संभाले रखा लेकिन सोमवार के जो आकड़े आए हैं वह बेहद निराशानजक है। वहीं पिछले हफ्ते रिलीज हुई फिल्म 'पुष्पा' और 'स्पाइडर-मैन नो वे होम' अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखे हुए है।

मेट्रो शहरों में दिखी तेजी काफी नहीं

'83' ने पहले दिन शुक्रवार को 12.64 करोड़, शनिवार को 16.95 करोड़ और रविवार को 17.41 करोड़ का कलेक्शन किया था। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट कर लिखा कि '83 ने निराश किया है। मेट्रो शहरों में तीसरे दिन थोड़ी तेजी देखने को मिली लेकिन यह काफी नहीं है। फिल्म रिलीज के दूसरे दिन क्रिसमस था। यह बड़ा मौका था इसके बावजूद इसे फायदा नहीं मिला।'

कितना रहा कलेक्शन

फिल्म के सोमवार के कलेक्शन की बात करें तो चौथे दिन फिल्म ने 6.5 से 7 करोड़ का कलेक्शन किया है। ये शुरुआती आंकड़ा है इनमें मामूली फेरबदल हो सकता है। इस तरह 4 दिन में फिल्म ने करीब 54 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। प्रीमियर पर समीक्षकों और फिल्मी सितारों से जिस तरह का रिस्पॉन्स मिला था उसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा था कि यह 200 करोड़ का कलेक्शन कर लेगी लेकिन अब इसके लिए 100 करोड़ क्लब में शामिल होना भी आसान नहीं लग रहा।

रिलीज होने वाली हैं बड़ी फिल्में

ध्यान देने वाली बात है कि अगले शुक्रवार (31 दिसंबर) को शाहिद कपूर की 'जर्सी' रिलीज होने वाली है। यह फिल्म भी क्रिकेट पर आधारित है। उसके अगले हफ्ते एसएस राजामौली निर्देशित मल्टीस्टारर फिल्म 'आरआरआर' रिलीज होगी। ऐसे में अब '83' के पास कलेक्शन करने के लिए सीमित समय है।

छोटा पर्दा | मन की बात

आसिम ने मारा शहनाज गिल को ताना! बोले बड़ी जल्दी भुला दिया सिद्धार्थ को

बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट्स और अभिनेत्री शहनाज गिल पर आसिम रियाज ने ताना कसा है। उन्होंने यह ताना दोस्त की सगाई में शहनाज गिल के डांस करने पर कसा है। शहनाज गिल छोटे पर्दे की उन अभिनेत्रियों में से एक थीं, जो टीवी के दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के सबसे करीब थीं। मीडिया में इस तरह की अफवाह भी थी कि सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। ऐसे में सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के तीन महीने बाद शहनाज गिल को सगाई में डांस करता देख आसिम रियाज ने उन पर ताना कसा है। उन्होंने शहनाज गिल के डांस वीडियो को देखने के बाद हैरानी जताई और कहा कि लोग अपने खास को खोने के बाद कैसे इतनी जल्दी उबर जाते हैं। यह बात आसिम रियाज ने सोशल मीडिया के जरिए कही है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में आसिम रियाज ने लिखा, कुछ नाचने के वीडियो देखे। कमाल की बात है, कुछ लोग अपने खास लोगों के खोने के गम से इतना जल्दी कैसे उबर जाते हैं। क्या बात-क्या बात। सोशल मीडिया पर आसिम रियाज का यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। उनके और शहनाज गिल के फैंस ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। शहनाज गिल हाल ही में अपनी दोस्त की सगाई पर गई थीं। इस फंक्शन की कुछ तस्वीरें और वीडियोज सामने आए, जिन्हें देख शहनाज के फैंस काफी खुश हो रहे हैं। इस सगाई सेरेमनी को शहनाज गिल काफी एंजॉय करती नजर आईं।

जैस्मिन भसीन ने साड़ी को दिया डिफ्रेंट लुक, फोटोज शेयर कर पूछा

सेब की तरह दिख रही हूं न?

एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन को पिछली बार रियलिटी शो बिग बॉस में देखा गया था। इस शो में उन्होंने काफी अच्छा गेम खेला। हालांकि वह बीच में से ही आउट हो गईं। शो के बाद जैस्मिन भसीन कई म्यूजिक वीडियोज का हिस्सा रहीं। वैसे तो जैस्मिन भसीन के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स हैं, लेकिन वह थोड़ा खुद के लिए अभी समय निकाल रही हैं। सोशल मीडिया पर जैस्मिन भसीन काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में वह अपनी दोस्त की शादी में गई थीं, जहां से उन्होंने कुछ फोटोज शेयर कीं। इस दौरान जैस्मिन ने फ्लावर प्रिंट पिंक साड़ी कैरी की थी, जिसके साथ एमेरल्ड डायमंड जूलरी कैरी की थी। साड़ी को अलग लुक देने के लिए उन्होंने डायमंड की जड़ाऊ बेल्ट लगाई थी जो काफी डिफ्रेंट लुक दे रही थी। हैवी मेकअप के साथ सिंपल बिंदी और पिंक लिपस्टिक लगाई हुई है जो उनके लुक को कम्प्लीट कर रही हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए जैस्मिन भसीन ने कैप्शन में लिखा, सेब की तरह दिख रही हूं न? इसपर इंडस्ट्री के कई सेलेब्स ने कॉमेंट कर जैस्मिन के लुक की तारीफ की है। हाल ही में जैस्मिन भसीन ने नया घर खरीदा है, जिसे वह सजाने में लगी हुई हैं।

अब मुकदमा सुनकर सॉफ्टवेयर कर देगा फैसला, हो सकती है न्यायाधीशों की छुट्टी!

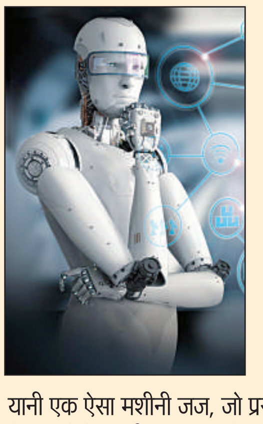

बहुत से ऐसे काम हैं, जिन्हें पहले करने में जहां देर लगती थी, वही अब चुटकियों में हो जाते हैं। इसके लिए विज्ञान के द्वारा विकसित की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शुक्रिया कहा जा सकता है। हालांकि आज भी जिन कामों में बुद्धि के साथ विवेक की जरूरत होती है, वहां पर भरोसा नहीं किया जाता। पड़ोसी देश चीन ने एक ऐसे ही विवेक भरे काम के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल शुरू किया है, जिसके बारे में अब तक सोचा भी नहीं गया था। चीन की टेक कंपनियों ने दुनिया का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पावर्ड प्रॉसिक्यूटर तैयार कर लिया है। यानी एक ऐसा मशीनी जज, जो प्रस्तुत किए गए तर्कों और डिबेट के आधार पर फैसला दे देगा। चीन का दावा है कि इस मशीनी जज का फैसला 97 फीसदी तक सही ही होता है। इस मशीन को शंघाई पुडोंग पीपुल्स प्रॉक्यूरेटोरेट की ओर से विकसित किया गया है। दावा किया गया है कि ये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाला मशीनी जज वर्कलोड को कम करेगा और जरूरत पड़ने पर न्याय देने की प्रक्रिया में जजों को इससे रिप्लेस किया जा सकेगा। इसे डेस्कटॉप कम्प्यूटर के जरिए इस्तेमाल किया जा सकेगा और इसमें एक साथ अरबों आइटम्स का डेटा स्टोर किया जा सकेगा। इन सबका विश्लेषण करके ये अपना फैसला देने में सक्षम है। इसे विकसित करने में साल 2015 से 2020 तक के हज़ारों लीगल केसेज़ का इस्तेमाल किया गया था। ये खतरनाक ड्राइवर्स, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड और जुए के मामलों में सही फैसला दे सकता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट से बात करते हुए एक जज ने इस बात की आशंका जताई है कि 97 फीसदी सही फैसले के बीच हमेशा मशीन होने की वजह से गलती होने की संभावना बनी रहेगी। ऐसे में अगर कोई गलत फैसला होता है तो जिम्मेदारी किसकी बनेगी? जज जिम्मेदार होगा, मशीन या फिर किसे जिम्मेदार माना जाएगा? उनका मानना है कि मशीन गलती पकड़ सकती है, लेकिन इसे फैसला लेने के लिए इंसानों की जगह नहीं रखा जा सकता।

अजब-गजब | 1000 से ज्यादा डॉग्स का बन चुका है आशियाना!

अपंग कुत्तों को रहने के लिए घर देता है ये शेल्टर होम

अमेजन प्राइम की वेबसीरीज 'पाताल लोक' में एक डायलॉग है, कुत्ते से सच्चा प्रेम करने वाले हमेशा मन के साफ होते हैं। अगर आदमी कुत्ते को पसंद करे मतलब वो अच्छा आदमी है, अगर कुत्ता आदमी को पसंद करे तो मतलब वो वाकई सच्चा आदमी है। इस बात को सच कर दिखाया है थाइलैंड के एक शख्स ने जिसने 1 हजार से ज्यादा कुत्तों की जान बचाई है और उन्हें अपने शेल्ट होम में जगह दी है। इनमें से कई कुत्ते अपंग हैं मगर शख्स की मदद से वो चल पा रहे हैं।

थाइलैंड के चॉनबुरी में, 'द मैन दट रेस्क्यू डॉग' नाम का एक शेल्टर है जो सड़की कुत्तों को रहने के लिए घर देता है। इस एनिमल शेल्टर होम की शुरुआत की है स्वीडन के रहने वाले माइकल जे बेन्स ने जो साल 2002 में अपने देश से थाइलैंड एक रेस्टोरेंट खोलने के लिए शिफ्ट हुए थे। जब वो थाइलैंड के शहर आए तो उन्होंने ध्यान दिया कि वहां कई सड़की कुत्ते घूम रहे हैं जो इधर-उधर पड़ी हुई चीजों पर पल रहे हैं। साल 2011 में उन्हें एक स्ट्रे डॉग से काफी लगाव हो गया। कुत्ता रोज उनके रेस्टोरेंट खाना मांगने आया करता था। तब माइकल ने सोचा कि वो उस कुत्ते के साथ शहर के और भी कुत्तों की देखभाल करेंगे और उन्हें रहने के लिए घर देंगे। साल 2017 तक वो करीब 100 कुत्तों को खाना खिलाने लगे और तब उन्होंने अपना शेल्टर होम शुरू किया। अपने शेल्टर होम में उन्होंने कुत्तों की देखभाल के लिए कुछ लोगों को नियुक्त किया जो सड़की कुत्तों को पकड़कर यहां ले आते हैं। इस शेल्टर होम की खासियत ये है कि यहां कई अपंग कुत्ते भी रहते हैं। कुछ के पिछले पैर में समस्या है जिसके कारण वो चल नहीं सकते। ऐसे में माइकल और उनकी टीम ने कुत्तों के पिछले भाग में एक टायर वाली गाड़ी फिट कर दी है, जिससे उन्हें आसानी से चलने में मदद मिलती है। साल 2019 में उनकी टीम ने 2 जानवरों के डॉक्टरों को भी नियुक्त किया और सड़क हादसों में घायल हो चुके कुत्तों के साथ-साथ अन्य कुत्तों के स्वास्थ्य के लिए मुहिम चलाई। इस शेल्टर होम को थाइलैंड और दूसरे देशों के लोग डोनेशन भेजते हैं जिससे ये कुत्ता का ध्यान रख पाते हैं। बोर्ड पांडा वेबसाइट के बात करते हुए माइकल ने कहा कि वो इन जानवरों को दूसरी जिंदगी दे रहे हैं जिससे वो बिना किसी पर निर्भर हुए अपनी जिंदगी खुद से जी सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस शेल्टर होम में फिलहाल 27 अपंग कुत्ते हैं जिनकी देखभाल की जाती है।

प्रदेश में बारिश से लुढ़का पारा, ठिठुरन बढ़ी

तापमान चार से पांच डिग्री सेल्सियस गिरा, छायी रहेगी बदली, मौसम के साफ होते ही बढ़ेगा कोहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में मंगलवार से हो रही बारिश आज भी जारी रही। बारिश के कारण ठिठुरन बढ़ गयी है। तापमान चार से पांच डिग्री सैल्सियस तक गिर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 31 दिसंबर तक आसमान में बदली छायी रहेगी।

लखनऊ, कानपुर, हरदोई, उन्नाव, कौशांबी, इलाहाबाद, झांसी समेत कई जिलों में कल से शुरू बारिश आज भी जारी रही। इससे गलन बढ़ गई है और तापमान चार से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिसंबर के बचे दिनों में बदली रहेगी। मंगलवार को प्रदेश में सबसे कम तापमान बांदा में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सबसे अधिक तापमान वाराणसी में 23.8 डिग्री और बलिया में 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लखनऊ का न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार दो दिनों तक बारिश से मौसम खराब रहेगा। साथ ही शीतलहर की वजह से ठिठुरन रहेगी। हालांकि, बारिश से प्रदूषण में कमी आने से मौसम साफ नजर आ सकता है। लखनऊ में आज भोर से बारिश हो रही है। बारिश के कारण वातावरण में नमी का स्तर बढ़ गया है। ऐसे में कोहरे का संकट खड़ा हो जाएगा। तराई और पश्चिमी यूपी के जिलों में कोहरे का असर ज्यादा देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि दिन के तापमान में सभी शहरों में गिरावट शुरू हो गई है। मौसम खुलने के साथ ही इसमें और गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि गुरुवार को प्रदेश में बादलों की आवाजाही के बाद मौसम साफ रहेगा।

फोटो: सुमित कुमार

यहां चक्रवाती हवाओं का बढ़ेगा प्रकोप

पाकिस्तान से लगे पूर्वी अफगानिस्तान से शुरू होने वाला पश्चिमी विक्षोभ हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में दाखिल होने और दूसरा पश्चिमी विक्षोभ राजस्थान से शुरू होकर पूरे पश्चिमी मध्य प्रदेश से होते हुए विदर्भ तक आने से दक्षिण-पश्चिमी बिहार और दक्षिण पश्चिमी राजस्थान में चक्रवाती हवाओं का प्रकोप बढ़ गया है।

31 दिसंबर तक राहत नहीं

संक्षिप्त खबरें

मंडियों में खुलेंगे पेट्रोल पंप बाहरियों को भी मिलेंगी दुकानें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंडियों की आय बढ़ाने व किसानों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए राज्य मंडी परिषद के दो महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य मंडी परिषद बोर्ड की बैठक हुई। इसमें मंडियों की आय बढ़ाने के लिए मंडियों की अप्रयुक्त भूमि पर पेट्रोलियम कंपनियों, सीएनजी कंपनियों को पेट्रोल पंप/सीएनजी पंप खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। पहले चरण में 30 मंडियों में पेट्रोल पंप खोले जाएंगे। पेट्रोल कंपनियों को मंडी व उप मंडी परिसर में 1600 वर्ग मीटर तक भूमि लीज पर दी जाएगी। इससे भूमि का स्वामित्व भी नहीं बदलेगा। सरकार का कहना है कि इस फैसले से किसानों, व्यापारियों व मंडी से संबंधित अन्य लोग भी लाभान्वित होंगे। इसी तरह मंडियों की खाली दुकानें अब बाहरी लोगो को भी आवंटित की जा सकेंगी। तय किया गया है कि यदि 10 दुकाने खाली हैं तो तय प्रक्रिया के अनुसार पांच दुकानें मंडी में पंजीकृत लोगों को मिलेंगी। चार दुकानें गैरपंजीकृत लोगों को आवंटित की जा सकेंगी। एक दुकान कृषक उत्पादक समूहों/फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों को मिलेगी।

ब्राह्मण विवाद के बाद अब नीतीश सरकार को गिराने की धमकी

पटना। बिहार में इन दिनों जमकर सियासी खींचतान चल रही है। ताजा मामला पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और भाजपा के बीच का है। दरअसल, बिहार सरकार में भाजपा के कोटे से मंत्री नीरज सिंह बबलू के एक बयान के बाद जीतन राम मांझी ने नीतीश सरकार गिराने की धमकी दे डाली। इसके बाद भाजपा से राज्यसभा सांसद सुशील मोदी डैमेज कंट्रोल में जुट गए। उन्होंने कहा कि जीतन राम मांझी वरिष्ठ नेता हैं, इसलिए घटक दलों की ओर से उनके खिलाफ बयानबाजी नहीं की जानी चाहिए। बिहार में जीतन राम मांझी की ओर से ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया था। इधर, भोज चल रहा था तो दूसरी तरफ भाजपा नेता व नीतीश सरकार में मंत्री नीरज कुमार बबलू ने उन पर बयानबाजी शुरू कर दी। बबलू ने तो यहां तक कह दिया कि जीतन राम मांझी को अब राजनीति से संन्यास लेकर राम नाम जपना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि मांझी पर अब उम्र का दुष्प्रभाव हो रहा है। उन्हें समझना चाहिए कि उनका बेटा भी नीतीश सरकार में मंत्री है। नीरज सिंह बबलू के बयान के बाद जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा हमलावर हो गई। पार्टी के प्रवक्ता दानिश रिजवान ने कहा कि नीरज सिंह बबलू को समझना चाहिए कि अगर हम अपना समर्थन वापस ले ले तो नीतीश कुमार की सरकार गिर जाएगी और नीरज सिंह बबलू सड़क पर आ जाएंगे।

सीएम फेस पर बोले सिद्धू, हाईकमान होशियार, सही वक्त पर करेगा फैसला

चंडीगढ़। पंजाब में आगामी विधान सभा चुनावों के लिए यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि कांग्रेस किसको मुख्यमंत्री का चेहरा बनाएगी। इस पर कांग्रेस के पंजाब प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने टिप्पणी की है। सिद्धू ने कहा कि 'यह पंजाब की जनता को तय करना है। वे तय करेंगे कि कौन उनके लिए काम करेगा। किसके पास सीएम बनने का नैतिक अधिकार है और कौन नई व्यवस्था तैयार कर सकता है इसीलिए मेरा नारा है- जीतेगा पंजाब।' सिद्धू ने कहा कि पिछली बार आम आदमी पार्टी इसलिए हार गई थी क्योंकि उनके पास सीएम चेहरा नहीं था। आपके पास बोगियां हैं लेकिन इंजन कहां है? इंजन महत्वपूर्ण है। आप या तो मुद्दों पर लड़ते हैं या आप चेहरे पर लड़ते हैं। पार्टियों के ऐलान के बाद तस्वीर और साफ होगी। उन्होंने कहा कि चेहरा वह होगा जिसके पास नैतिक अधिकार और एजेंडा होगा। पंजाब चुनाव के लिए विधान सभा सीटों पर टिकटों के ऐलान में देरी पर सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस एक सिस्टम और मैं सिस्टम से चलूंगा। चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाए जाने के पार्टी के फैसले पर सिद्धू ने कहा यह जाति का मुद्दा है ही नहीं। पंजाब गुरुओं की भूमि है। पंजाब न हिंदू है न मुसलमान। मुझे लगता है कि हमें दलितों के लिए लाभकारी नीतियों पर ध्यान देना चाहिए। कैंडिडेट (सीएम फेस) का ऐलान करने के मुद्दे पर पार्टी हाईकमान होशियार है और वह सही समय जानता है।

तो सपा सरकार के विकास कार्यों के सहारे है भाजपा!

- » विकास के नाम पर भाजपा के पास नहीं है कोई अपना काम
- » 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले यूपी का सियासी तापमान चढ़ गया है। भाजपा सरकार लगातार उद्घाटन और शिलान्यास कर रही है लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यूपी की मौजूदा सरकार समाजवादी सरकार में शुरू किए गए कार्यों का उद्घाटन कर क्रेडिट लेने की कोशिश कर रही है? क्या भाजपा के पास अपना बताने के लिए कुछ भी नहीं है? ऐसे ही सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अमलेंदु उपाध्याय, अमित मिश्रा, उमाशंकर दुबे, बृजेश शुक्ला और अभिषेक कुमार के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

बृजेश शुक्ला ने कहा, ये लोकतंत्र का स्वरूप रहा है। कई योजनाओं जिनका शिलान्यास अखिलेश ने किया लेकिन वे उनके कार्यकाल में पूरी नहीं हुई। सरकार सतत चलने वाली प्रक्रिया है। लिहाजा दूसरी सरकार उस योजना को पूरा करती हैं। यह जनता को निर्णय करना है कि वह किस सरकार को क्रेडिट देती है। अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, भाजपा के नेताओं को भ्रम रहता है कि जनता बहुत भोली है लेकिन अब जनता प्रतिप्रश्न करना शुरू कर चुकी है। कोई बड़ा प्रोजेक्ट चुटकियों में तैयार नहीं होता है लेकिन जो शिलान्यास आज हो रहे हैं वे पांच साल पहले क्यों नहीं हुए।

उमाशंकर दुबे ने कहा, आजादी के इतने वर्ष बाद भी दो प्रमुख बुनियादी सुविधाएं स्वास्थ्य एवं शिक्षा में कोई सुधार नहीं हुआ है। योजनाओं को बंद नहीं किया जाता। लेकिन क्रेडिट लेने की होड़ लगी है। अमित मिश्रा ने कहा, भाजपा सरकार की पूरी मशीनरी प्रचार तंत्र पर चल रही है। एक सरकार काम शुरू करती है दूसरी काम पूरा काम करता है। शिलान्यास की बाढ़ इसलिए आयी क्योंकि चुनाव आ चुका है। विकास के नाम पर इनके पास कुछ नहीं है।

म्यूजिक कार्निवल में बही सुरों की सरिता

- » माउंटेन मैजिकल ग्रुप ने आयोजित किया कार्यक्रम
- » प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माउंटेन मैजिकल ग्रुप द्वारा गाजियाबाद में म्यूजिक कार्निवल का आयोजन किया गया जिसमे देश के अनेक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सूरत, जोधपुर, पटना, लुधियाना, चंडीगढ़, शिमला, अबोहर, दिल्ली और उसके आसपास से आये कलाकारों ने अपने गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से किया गया। कोविड के मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। उसके पश्चात संगीत समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के आयोजक अनिता रत्तन व राजेश बजाज ने बताया कि माउंटेन मैजिकल ग्रुप उभरते हुए गायक कलाकारों को उत्तम मंच प्रदान करता है व उनको भविष्य में अच्छे स्तर पर स्थापित करने के लिए कृत संकल्प है। कार्यक्रम में धीरज कपूर, राजीव मिश्रा, राजेश सिंगला, श्रीमती शिवानी सिंगला, नीरज भारद्वाज, राम मनोहर समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

गुमशुदा

नाम - राकेश निगम

आयु - 37 वर्ष, रंग - गोरा, चेहरा - गोल

जिस किसी को मिले कृपया इस पते पर सम्पर्क करें।

पता: राम नरेश निगम, 355/310, एफ-ब्लॉक, आलम नगर, चमन मस्जिद के पास, राजाजी पुरम, लखनऊ।

सम्पर्क सूत्र : 9450837578

22 में बाबा की सरकार लौटने वाली नहीं : अखिलेश यादव

इत्र कारोबारी मामले में भाजपा को घेरा, कहा, भाजपा का है दीवारों से निकलने वाला रुपया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि 22 में उत्तर प्रदेश में बाबा की सरकार लौटने वाली नहीं है। जनता का इंकलाब होगा और बाइस में बदलाव होगा। उन्नाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दीवारों से निकलने वाला रुपया भाजपा का है।

उन्होंने कहा इन दिनों दीवारों से रुपया निकलने का मामला सुर्खियों में है। ना जाने कितनी गड्डियां निकली हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि व्यापारी के सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) से कई भाजपा नेताओं के नाम सामने आएंगे जो उनके संपर्क में थे। अखिलेश ने कहा कि गलती से भाजपा ने अपने ही कारोबारी पर छापा मारा दिया। उन्होंने

दावा किया कि समाजवादी इत्र (इत्र) सपा एमएलसी पुष्पराज जैन द्वारा लांच गया था न कि पीयूष जैन ने लांच किया था। अखिलेश ने कहा कि वो छापा मारना चाहते थे पुष्पराज जैन के घर पर लेकिन डिजिटल इंडिया की गलती से अपने ही व्यवसायी (पीयूष जैन) के यहां छापा मार दिया।

नोटबंदी कामयाब थी तो इतना रुपया क्यों निकला

अखिलेश ने भीड़ से सवाल किया बताओ सरकार किसकी है। रेलवे, हवाई जहाज, बैंक इनकी और कह रहे हैं रुपया हमारा है यह रुपया समाजवादियों का नहीं है, यह रुपया भाजपाइयों का है। भाजपा के लोग झूठ बोल रहे हैं। नोटबंदी कामयाब थी तो भाजपा वालों के घर से इतना रुपया क्यों निकला। बैंक की गड्डी की स्लिप से पता हो जाएगा कि रुपया किसने निकाला। भाजपा ने किसानों, युवाओं और व्यापारियों को ठगने का काम किया है।

डीजीजीआई ने 177 करोड़ की नकदी को माना टर्नओवर

इत्र कारोबारी मामले में समाजवादी पार्टी ने बीजेपी पर वार करते हुए ट्वीट किया कि योगीजी ने पूरे प्रदेश से झूठ बोलकर अपनों को बचा लिया। समाजवादी ने इत्र कारोबारी पीयूष जैन की खबर को ट्वीट किया, खबर की मानें तो आनंदपुरी स्थित आवास से मिले 177 करोड़ रुपए की नकदी को डीजीजीआई अहमदाबाद टर्नओवर की रकम माना है। डीजीजीआई की ओर से कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों से इसकी पुष्टि हुई है। कर विशेषज्ञों का कहना है कि जानबूझकर या अनजाने में अफसरों ने केस को कमजोर कर दिया है। ऐसे में पीयूष सिर्फ पेनाल्टी की रकम अदा कर जमानत हासिल कर सकता है। इससे आयकर विभाग भी काली कमाई मामले में कार्रवाई नहीं कर पाएगा।

फोटो: 4पीएम

प्रदर्शन राजधानी लखनऊ स्थित लोकभवन में सचिवालय सेवा संगठन समिति ने अपनी माँगों को लेकर किया प्रदर्शन।

आप नेता संजय सिंह बोले

दलितों की जमीन बेचकर अरबों कमा रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या पहुंचे आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि योगी राज में महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट ने गरीब दलितों की जमीन स्कूल, अस्पताल बनाने के नाम पर झूठ बोलकर ली है। भाजपा के नेता, अधिकारी व ट्रस्ट के लोग इनकी जमीन बेचकर अरबों लूट रहे हैं। उन्होंने ये सब अयोध्या के मांझा बरहटा गांव में दलितों से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा हर कीमत पर न्याय दिलाऊंगा। सड़क से संसद तक मांझा बरेहटा के लोगों की लड़ाई आप पार्टी लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि दलितों को न्याय दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। सभी लोगों से मुलाकात के बाद एक बात स्पष्ट हो गई कि ट्रस्ट ने गुमराह करके दलितों की जमीनों को हड़पने का काम किया है और उस पर प्लॉटिंग करके अरबों रुपए कमाने का काम कर रहे हैं। संजय सिंह ने कहा राम जन्मभूमि क्षेत्र के पांच किलोमीटर के दायरे में किस तरह से तमाम अधिकारियों, भारतीय जनता पार्टी के विधायकों, उनके रिश्तेदारों और भाजपा के मेयर ने जमीनें खरीदी हैं उसका पूरा खाका मेरे पास है। संजय सिंह ने बताया कि प्रदेश में नियम है की 3.5 बीघे से अधिक जिस दलित की जमीन होगी वही बेची जाएगी, अन्यथा नहीं बेच सकता।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले

सत्ता में आए तो 50 रुपये में मिलेगी शराब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सोमू वीरराजू का अजीबोगरीब बयान सामने आया है। उन्होंने

कहा अगर भाजपा सत्ता में आती है तो प्रदेश में 50 रुपए में गुणवत्तापूर्ण शराब की क्वाटर बोतल उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस समय में प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शराब की क्वाटर बोतल 200 रुपये में मिल रही है। वह पार्टी की जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान वीरराजू ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में नकली ब्रांड की शराब उच्च दामों पर बेची जा रही है। जबकि अच्छे ब्रांड वाली शराब राज्य में उपलब्ध ही नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में हर व्यक्ति शराब पर 12 हजार रुपये प्रतिमाह खर्च कर रहा है। कहा कि राज्य में एक करोड़ लोग शराब पी रहे हैं, मैं चाहता हूं ये एक करोड़ लोग भाजपा को वोट दें। भाजपा की सरकार आने पर उन्हें 75 रुपये में गुणवत्तापूर्ण शराब की बोतल उपलब्ध कराई जाएगी। अगर राजस्व अच्छा रहा तो 50 रुपये प्रति बोतल भी बिकेगी।

रसोइयों को साल में दो साड़ी सहित मिलेगा बीमा कवर

» अनुदेशकों का मानदेय दो हजार रुपये बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा के अनुदेशकों का मानदेय दो हजार रुपये बढ़ाने का एलान किया है। इसके अलावा स्कूल की हर रसोइये को साल में दो साड़ी, हेयर कैप और एप्रन दिया जाएगा। इसके लिए अलावा रसोइये को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर बीमा भी मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा के अनुदेशकों व रसोइयों के कार्यक्रम में इसकी घोषणा की है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अनुदेशकों व रसोइयों को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 के चुनाव में अगर भाजपा सत्ता में न आई होती तो हजारों सरकारी स्कूल बंद हो जाते और आप सब की नौकरी भी न बचती। पहले की सरकार सिर्फ एक परिवार की सरकार थी। उन्हें न तो शिक्षा से मतलब था और न ही विकास से। भाजपा की सरकार के प्रयासों से अब प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में प्रदेश में कानून का शासन स्थापित हुआ है। अब माफिया प्रदेश छोड़ कर भाग रहे हैं। प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े परिवर्तन किए गए हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है। इसके पहले मंगलवार को सरकार ने 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती में आरक्षण विसंगति दूर कर ओबीसी और एससी के करीब 6 हजार अभ्यर्थियों की सूची 30 दिसंबर को जारी करने का निर्णय लिया है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लगातार आंदोलन और प्रदर्शन कर ओबीसी और एससी के करीब 18 हजार पदों पर भर्ती करने की मांग कर रहे हैं। विभाग के एक अफसर के मुताबिक चाहे कुछ पद बढ़ाने पड़ जाएं, लेकिन विभाग ऐसी कोई चूक नहीं करना चाहता, जिससे मामला फिर न्यायालय में जाए या दलित वर्ग के अभ्यर्थी आंदोलन करें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।